

## Nedeľné irmosy, hlas 2

Κανών Αναστάσιμος, Ἦχος β'

ΓΛΑΥΞ Ἐ  
Ἰρμoσι̇ βοσκρέσνια

**SPEV**

## Byz 1

Εν βυθώ κατέστρωσε ποτέ, Ga.h  
τήν Φαραωνίτιδα dc.h πανστρατιάν, Ga.h  
η υπέροπλος δύναμις, xxE  
σαρκωθείς ο Λόγος δέ FE.D  
τήν παμμόχθηρον dc.h αμαρτίαν εξήλειπεν, xxG  
ο δεδοξασμένος\*\*  
Κύριος ενδόξως γάρ δεδόξασται. xxh



Εν βυ- θώ κατ-έ -στρω-σε πο- τέ,



τήν Φα- ρα- ω- νί- τι-δα πανστρα-τι-άν η υ-πέρ-ο-πλος δύ - να- μίς.



σαρ-κωθείς ο Λό-γος δέ, τήν παμ-μόχθηρον αμαρ -τί-αν εξ -ή- - λει- -ψεν :



ο δε- δο-ξασ- μέ- νος Κύ-ρι-ος εν-δό-ξως γάρ δε-δό-ξα-σται.

### Byz 3

Ε-ξήν-θησεν, η έρημος dc.h  
 ωσει κρίνον Κύριε. dc.h  
 η τών εθνών στερεύουσα, cG.E  
 Εκκλησία τή παρουσία σου : xxG  
 εν ή εστερεώθη η καρδιά μου. xxE



Ε-ξήν-θη-σεν η έ-ρη-μος, ωσει κρί-νον Κύ-ρι-ε,



η τών εθνών στερεύου-σα, Εκκλη-σί-α τή παρ-ου -σί- -α σου,



εν ή ε-στε -ρε- -ώ - - θη η καρ-δί- - α μου.

### Byz 4

Ελήλυθας εκ Παρθένου cd.h **ου** πρέσβυς **ουκ** Άγγελος: xxh  
 αλλ' αυτός ο Κύριος, dc.h  
 σεσαρκωμένος και έσωσας, h2.a2.a  
 όλον με τόν άνθρωπον, ha.G  
**διό** κραυγάζω σοι, **Δόξα** τή δυνάμει σου. xxE



Ε-λή-λυ-θας εκ Παρ-θέ-νου, ου πρέσβυς, ουκ Άγ-γε- -λος :



αλλ' αυτός ο Κύ-ρι-ος, σεσαρκω-μέ-νος και έ- - σω-σας ό- λον με τόν άν-θρω-πον,



δι-ό κραυγάζω σοι Δόξα τή δυ- -νά-μει σου.

## Byz 5

Μεσίτης Θεού <sup>Ga.h-a</sup> **καί ανθρώπων γέγονας** Χριστέ ο Θεός : xxh

διά σου γάρ Δέσποτα, <sup>dc.h</sup>  
τήν πρὸς τὸν ἀρχίφωτον <sup>dc.h</sup>  
Πατέρα σου, <sup>h2.a2.\*</sup>

εκ νυκτός ἀγνωσίας, προσαγωγὴν ἐσχίκαμεν. <sup>ha.G</sup>

E.g.II

Με-σί- -της Θε-ού, καί αν-θρώ-πων γέ-γο-νας Χρι-στέ ο Θε-ός,

δι-ά σου γάρ Δέ-σπο-τα, τήν πρὸς τὸν αρ-χί-φω-τον Πα-τέ-ρα σου,

εκ νυ-κτός α-γνω-σί-ας, προσ-α-γω-γὴν ἐσ- χή-κα-μεν.

## Byz 6

Ἐν ἀβύσσῳ πταισμάτων κυκλούμενος : yxh  
**τήν ανεξιχνίαστον** <sup>dc.h</sup> τῆς ευσπλαγχνίας σου : xxG  
ἐπικαλούμαι ἄβυσσον, ε  
Ἐκ φθοράς ο Θεός με ἀνάγαγε. xxh

E.g.II

Ἐν ἀ-βύσσῳ πταισ-μάτων κυκ-λού-με-νος, <sup>tristem. EgII</sup>

τήν α- νε- ξι- χνί-ασ-τον τῆς ευσπλαγχνί- - ας σου,

ε- -πι-κα-λούμαι ἄβυσσον. Ἐκ φθοράς ο Θε-ός με αν -ά-γα-γε.

**Byz 7**

Αντίθεον <sup>Ga.h</sup> πρόσταγμα <sup>dc.h</sup>  
 παρανομούντος\*\* <sup>cd.d</sup> τυράννου μετάρσιον <sup>dc.h</sup>  
 τήν φλόγα ανερρίπισε : xxh

Χριστός δέ εφήπλωσε <sup>dc.h</sup>  
 θεοσεβέσι Παισί, <sup>h2.a\*\*</sup> δρόσον τήν του Πνεύματος <sup>ha.G</sup>  
 ο ών\*\* ευλογημένος καί υπερένδοξος. xxE



Av - -τί- θε-ον πρό-σταγμα,



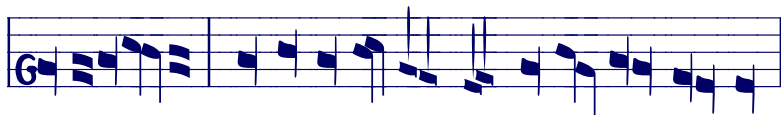
πα-ρα -νο- μούν-τος, τυ-ράν-νου μετάρσι-ον,



τήν φλό-γα αν - ερ- ρί- πι-σε,



Χριστός δέ εφ- ή-πλωσε, θε - -ο- - σε- βέ- -σι Παι-σί, δρόσον τήν του Πνεύματος,



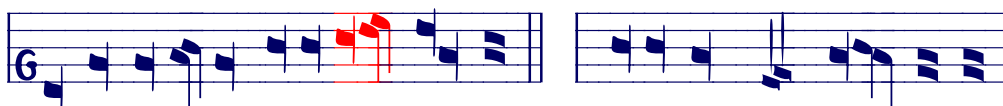
ο ών ευ-λο-γη-μέ-νος καί υ-περ -έν- - δο-ξος.

## Byz 8

Κάμινος ποτέ <sup>Ga.h</sup> πυρός εν Βαβυλώνι : <sup>c.GG.E</sup>  
τάς <sup>yxh+</sup> ενεργείας διεμέριζε : <sup>yxh+</sup>  
τώ θείω προστάγματι : <sup>a2.G2.G</sup>  
τούς Χαλδαίους καταφλέγουσα, <sup>Gc.a2.a</sup>  
τούς δέ πιστούς δροσίζουσα <sup>ha.G</sup> ψάλλοντας. <sup>ha.G</sup>  
Ευλογείτε, πάντα τά έργα τόν Κύριον. <sup>xxh</sup>



Κά-μι-νος πο-τέ, πυ-ρός εν Βα-βυ-λώ-νι,



τάς εν-ερ-γεί-ας δι-ε-μέ-ρι-ζε, τώ θεί-ω προσ-τάγ-μα-τι,



τούς Χαλδαίους κα-τα-φλέ-γου-σα,



τούς δέ πισ-τούς δρο-σί-ζου-σα ψάλ-λο-ντας



ευ-λο-γεί-τε, πά-ντα τά έρ-γα τόν Κύ-ρι-ον.

## Byz 9

Ανάρχου Γεννήτορος, <sup>ha.G</sup>  
Υιός Θεός καί Κύρι-ος, <sup>xxh</sup>  
σαρκωθείς εκ Παρθένου ημίν επέφανε,  
τά εσκοτισμένα φωτίσαι,  
συναγαγείν τά εσκορπισμένα, <sup>xG</sup>  
διό τήν πανύμνητον,  
Θεοτόκον μεγαλύνομεν.

**RI1**

Во глѡ-бн-нѣ по-стлѧ ѡ-но-гдѧ,



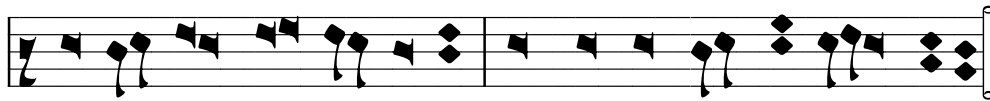
фа-ра-ѡ-нѣт-ско-е все-вѡ-нн-ство пре-ѡ-рѡ-жѣ" на сѧ-ла.



во-плѡщ-ше-е- сѧ же слѡ-во



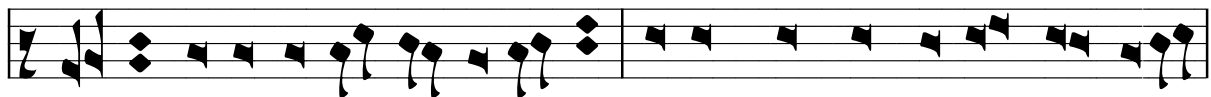
все-слѡб-ный грѣхъ по-тре-бѧ- - ло ѣсть:



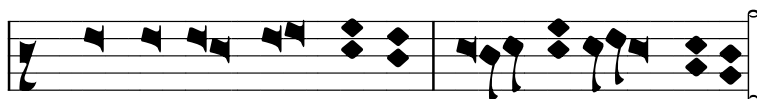
пре-про-слав-лен-ный гдѧ, слав-но во про-слав-н- сѧ.

**RI3**

Про-цвѣ-ла ѣсть пде-ты-на, ѧ-кѡ крѧнъ, гдѧ,



ѧ-зѡ-чес-ка-ѧ не-пло-дѧ-ща-ѧ црѧковѧ при-шеетъ-вѧ-емъ тво-ѧмъ :



въ нѣй-же оутвер-дѧ-сѧ мо-е сѣрд-це.

**RI4**

При-ше́лз ѿ-снѣ ѿ дѣвы, не хо-да́-тай, ни ѡг- - глаз,



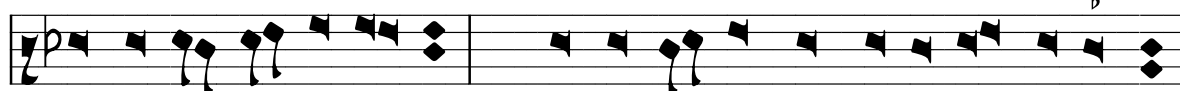
но сѡмз г-дѣ во-плóщѣнъ ѡ спелъ ѿ-снѣ все-го ма че-ло-вѣ-ка.



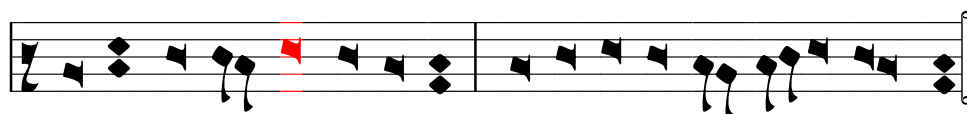
тѣмз зо-вѣ ти: сла-ва си́лѣ тво-еѣ гдѣ.

**RI5**

Хо-да́-тай бгѣ ѡ че-ло-вѣ-кѡмъ былз ѿ-снѣ хрѣ-тѣ бже:

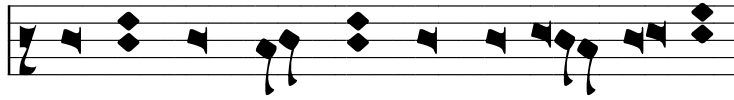


то-бо́-ю бо вѣ-ко, къ свѣ-то-на-чѡлъ-ни-кѡ ѡ-цѣ тво-е-мѡ,



ѿ но́-ци не-вѣ-дѣ-нї-а, при-ве-дѣ-нї-е ѡ-ма-мы.



**RI6**

Въ бѣз-днѣ грѣ-хѡв-нѣй ва-лѣ-а-са,



не-нз-слѣд-нѣю ми-ло-сер-дї-а тво-е-гв



при-зы-ва-ю бѣз-днѣ: Ѡ тлѣ бже ма воз-ве-днѣ.

**RI7**

Гго-про-тѣв-но-е ве-лѣ-нї-е без-за-кѡн-нѣю-ца-гв



мѣ-чѣ-телѣ вы-сѡкѣ пла-менѣ воз-нес-лѡ ѣстѣ:

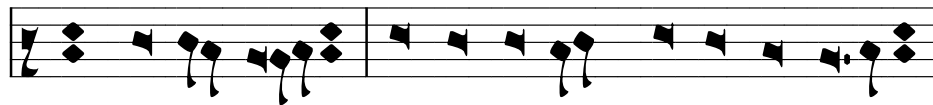


хрѣ-тѡсѣ же про-стрѣ б-гѡ-чел-тѣ-вы<sup>м</sup> Ѡ-рокѡ<sup>м</sup> рѡ-сѣ а-хѡв-нѣю



сѣй бѣ-го-сло-вѣнз, ѣ пре-про-слѣв-ленз.

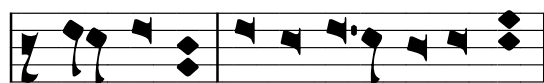
R18



Пѣшь ѿ-но-гда ѿ-г-нен-на-ѧ въ ва-вѣ-лѣ-нѣ



дѣй-ства раз-дѣ-ла-ше, в-жѣ-ннѣ-лѣ-нї-емъ



хал-дѣ-н ѡ-па-ла-ю-ща-ѧ,



вѣр-ны-ѧ же ѡ-ро-ша-ю-ща-ѧ, по-ю-щы-ѧ:



вѣ-го-сло-внѣ-те всѣ-ла гдѣ-ла гдѣ-ла.

**R19**



Без-на-чаль-на ро-дѣ-те-ла снъ, бгъ и гдъ,



во-плóщъ-са ѿ дѣи нáмъ гá-внѣ-са,



ѿ-мра-чѣн-на-а про-свѣ-тѣ-ти, собрати ра-то-чѣн-на-а:



тѣмъ все-пѣ-тѣ-ю бо-го-рó-дн-цѣ ве-ли-чá-емъ.